UG CBCS SYLLABUS, Department of Hindi, Presidency University

HIND01C1

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

हिन्दी साहित्य का आरम्भ	:	कब से और कैसे?
काल विभाजन और नामकरण	:	आदिकाल से आधुनिक काल तक
आदिकाल	:	सामान्य परिचय, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ सिद्ध, नाथ, जैन, रासो और लौकिक साहित्य के प्रमुख कवि, काव्य और विशेषताएं
भक्तिकाल	:	सामान्य परिचय, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, निर्गुण एवं सगुण संप्रदाय, संत, सूफी, राम एवं कृष्ण धारा के प्रमुख कवि, काव्य और विशेषताएं
रीतिकाल	:	सामान्य परिचय, सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख कवि, काव्य और विशेषताएं, श्रृंगारेतर कवि एवं काव्य

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

HIND01C2

आधुनिक काल	:	राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
हिंदी गद्य का विकास	:	स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य
हिंदी नवजागरण	:	प्रमुख विशेषताएं, बंगला नवजागरण से अन्तर्सम्बन्ध
भारतेन्दु युग	:	साहित्यिक विशेषताएं, भारतेन्दु मंडल
द्विवेदी युग	:	सरस्वती पत्रिका और हिंदी नवजागरण, राष्ट्रीय काव्यधारा और स्वच्छंदधारा के प्रमुख कवि
छायावाद	:	प्रमुख कवि और प्रमुख विशेषताएं
प्रगतिवाद	:	प्रमुख कवि और प्रमुख विशेषताएं
प्रयोगवाद	:	प्रमुख कवि और प्रमुख विशेषताएं
नई कविता	:	प्रमुख कवि और प्रमुख विशेषताएं

HIND02C3

आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

विद्यापति	: माधव, कत तोर करब बड़ाई; तातल सैकत बारि-बिन्दु- सम; मोरा रे आंगना चानन केरि गछिया; सखि रे हमर दुखक नहि ओर; अनुखन माधव-माधव सुमरइत
कबीर	: दोहा - अकथ कहानी प्रेम की ; सुखिया सब संसार है ; जाति न पूछो साध की ; हस्ती चढ़िये ज्ञान को पढ़ि-पढ़ि के पत्थर भया ; पद- मन न रंगाये रंगाये जोगी कपड़ा ; संतौ भाई आई ग्यान की आंधी रे ; एक अचंभा देखा रे भाई; साधो, देखो जग बौराना
जायसी	: सुआ खंड – चहूं पास समुझावहिं सखी....अब कहना किछु नाहीं मस्ट भली पंछिराज।
सूरदास	: आयो घोष बड़ो व्यापारी खेलन में को काको गुसैंया; उधौ मोहि ब्रज बिसरत नाहिं; सन्देसो देवकी सो कहिये; उधौमन नाहिं दस बीस
तुलसीदास	: खेती न किसान को भिखारी को न भीख ;धूत कहौ अवधूत । कहौ ; मन पछितैहे अवसर बीते ; अब लौं नसानी अब न नसैहों; केसव कहि न जाए का कहिये।
रहीम	: दीन सबन को लखत हैं; जो रहीम उत्तम प्रकृति ; दादुर, मोर, किसान मन; देनहार कोउ और है; धरती की सीरीत है ; रहिमन चुप ह्वै बैठिए ; रहिमन तीन प्रकार ते ; रहिमन विपदा हूभली ; धीरे धीरे रे मन ; रहिमन धागा प्रेम का ।
मीराँबाई	: जो तुम तोड़ो पिया मैं नहिं तोडूं; मैं गिरधर के घर जाऊँ; करना फकीरी फिर क्या दिलगीरी; तनक हरि चितवौं हमरीओर ; भज मन चरण कँवल अविनासी।
बिहारी	: मेरीभव बाधा हरौ; नहि पराग नहि मधुर मधु; कहत नटत रीझत खीझत ; तो पर वारौं उरबसी; दृग उरझत टूटत कुटुम ; वरन . बास सुकुमारता; तजि तीरथ हरि राधिका ; उन हर की हंसि कै इतै; स्वारथ सुकृत न श्रम वृथा; तंत्री-नाद कवित्त-रस।
घनानंद	: हीन भये जल मीन अधीन ; मरिबो विश्राम गनै वह तो; रावरे रुप की रीति अनूप; अति सूधो सनेह को मारग है; घनआनन्द प्यारे सुजान सुनौ
रसखान	: मानुस हों तो वहीं रसखान; या लकुटि अरु कामरिया; कान भए बस बांसुरी; धूर भरे अति शोभित ; सेस गनेस महेस दिनेस।

HIND02C4

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

• भारतेंदु

हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान (निज भाषा उन्नति अहै- 5 से 9 तक); नए जमाने की मुकरी (1,2, 6, 7 एवं 8); अब प्रीत करीतो निवाह करो (सवैया); वसन्त ; दीन भए बलहीन भए धन छीन भए सब बुद्धि हिरानी।

• अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

फूल और तारे; कर्मवीर ; फूल और कांटा; नया खिलौना; एक तिनका

• मैथिलीशरण गुप्त

नर हो न निराश करो मन को ; भारत माता का मंदिर यह ; सखि वे मुझसे कहकर जाते; एकान्त में यशोधरा; स्वयमागत

• रामनरेश त्रिपाठी

कामना; अन्वेषण ; स्वदेश गीत ; वह देश कौन सा है

• जयशंकर प्रसाद

बीती विभावरीजागरी; मधुप गुनगुनाकर कह जाता; सागर संगम अरुण नील ; उठ उठ री लघुलोल लहर ; आह! वेदना मिली विदाई

• सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

बांधो न नाव इस ठाँव बंधु; जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ; ध्वनि; तोड़ती पत्थर ; संध्या सुन्दरी

• सुमित्रानंदन पंत

ताज ; सुख-दुख; भारत माता; सीख ; संध्या

• महादेवी वर्मा

वे मुस्कुराते फूल नहीं; मत बाँधो ; जाग तुझको दूर जाना; बीन भी हूँ रागिनी भी; मेरे हँसते अधर वही जग

HIND03C5

छायावादोत्तर हिंदी कविता

- केदारनाथ अग्रवाल
  जब जब मैंने उसको देखा ; माँझी न बजाओ वंशी ; बसंती हवा ; आज नदी बिल्कुल उदास थी ; चंद गहना से लौटती बेर
- नागार्जुन
  शासन की बन्दूक ; अकाल और उसके बाद ; घिन तो नहीं आती ; सिंदूर तिलकित भाल ; वे हमें चेतावनी देने आये थे
- रामधारी सिंह 'दिनकर'
  कलम आज उनकी जय बोल ; कृष्ण की चेतावनी ; समर शेष है ; शक्ति और क्षमा
- माखनलाल चतुर्वेदी
  धरती तुझसे बोल रही है ; दुर्गम पथ ; पुष्प की अभिलाषा ; कैदी और कोकिला ; तुम चुप चुप आ जाना साथी
- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
  साँप ; एक बूंद ; हिरोशिमा ; जो पुल बनाएँगे ; खुल गयी नाव
- भवानीप्रसाद मिश्र
  गीत फरोश ; बहुत नहीं सिर्फ चार कौए थे काले ; कवि ; सन्नाटा ; सतपुड़ा के जंगल
- रघुवीर सहाय
  आपकी हंसी ; हंसो हंसो जल्दी हंसो ; लोग भूल गए हैं ; पढ़िए गीता ; रामदास
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
  तुम्हारे साथ रहकर, भेड़िया-1,2, देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता, लीक पर वे चलें, धीरे-धीरे
- केदारनाथ सिंह
  हाथ, देश और घर, एक जरूरी चिट्ठी का मसौदा, फर्क नहीं पड़ता, पानी में घिरे हुए लोग, नमक, जाना

HIND03C6

भारतीय काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
- रस सिद्धान्त - रस की अवधारणा, रस के अवयव, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धान्त - ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धान्त - अलंकार की अवधारणा, अलंकार सिद्धान्त, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार और अलंकार्य।
- रीति सिद्धान्त - रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं
- अभिव्यंजनावाद।
- औचित्य सिद्धान्त - औचित्य की अवधारणा।
- हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास - सामान्य परिचय।

HIND03C7

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो - काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू – काव्य-अनुकृति एवं विरेचन।
- लोंजाइनस - काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- वड्र्सवर्थ - काव्य एवं काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- कॉलरिज - कल्पना और फैन्टेसी।
- क्रोचे - अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट - परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।
- आई.ए. रिचडर्स - मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।
- नई समीक्षा।
- मार्क्सवादी समीक्षा।
- यथार्थवाद ।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

HIND04C8

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

भाषा	: परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
भाषा विज्ञान	: परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
स्वनिम विज्ञान	: परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण - स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
रूपिम विज्ञान	: शब्द और रूप (पद), पद विभाग - नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
वाक्य विज्ञान	: वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
अर्थ विज्ञान	: शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
	अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, भोजपुरी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ। राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
	देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

HIND04C9

हिंदी उपन्यास

गबन - प्रेमचंद

त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार

कुरु कुरु स्वाहा - मनोहर श्याम जोशी

मानस का हंस - अमृतलाल नागर

महाभोज - मन्नू भंडारी

HIND04C10

हिंदी कहानी

उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी

मुक्तिमार्ग : प्रेमचंद

शरणागत : वृन्दावनलाल वर्मा

गुण्डा : जयशंकर प्रसाद

हार की जीत : सुदर्शन

पत्नी : जैनेन्द्र कुमार

तीसरी कसम : फणीश्वरनाथ रेणु'

परिन्दे : निर्मल वर्मा

दोपहर का भोजन : अमरकांत

सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती

चीफ़ की दावत : भीष्म साहनी

तिरिछ : उदयप्रकाश

HIND05C11

हिंदी नाटक एवं एकांकी

<u>नाटक</u>

अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चन्द्र

ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश

माधवी : भीष्म साहनी

<u>एकांकी</u>

औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा

विषकन्या : गोविन्द बल्लभ पंत

और वह जान सकी : विष्णु प्रभाकर

भार का तारा : जगदीशचंद्र माथुर

HIND05C12

हिंदी निबंध एवं अन्य गदय विधाएँ

सरदार पूर्ण सिंह	- मजदूरी और प्रेम
रामचन्द्र शुक्ल	-करुणा हजारी प्रसाद द्विवेदी-देवदारु
विद्यानिवास मिश्र	- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
शिवपूजन सहाय	- महाकवि जयशंकर प्रसाद रामवृक्ष बेनीपुरी- रजिया
डॉ. नगेन्द्र	- दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
माखनलाल चतुर्वेदी	- तुम्हारी स्मृति
विष्णुकांत शास्त्री	- ये हैं प्रोफेसर शशांक
हरिशंकर परसाई	- प्रेमचंद के फटे जूते निर्मल वर्मा-धुंध से उठतीधुन (अंश)
शिवरानी देवी	- मैं लुट गयी (प्रेमचंद घर में)

HIND06C13

हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

साहित्यिक पत्रकारिता	: अर्थ, अवधारणा और महत्त्व।
भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता	: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता	: परिचय और प्रवृत्तियाँ। प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता	: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
आपातकालीन साहित्यिक पत्रकारिता	: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता	: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
बंगाल में हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता	
महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ	: उदन्त मार्तण्ड, बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिन्दोस्थान,आज, स्वेदश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता। प्रमुख पत्रकार : भारतेन्दु, दिवेदी, प्रेमचंद, अज्ञेय, रघुवीर सहाय

HIND06C14

प्रयोजनमूलक हिंदी

- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास
- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी

  बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
- हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी
- हिन्दी का मानकीकरण
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र: भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता-प्रकार और शैली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार: कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख और उसका प्रमुख लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अथवा
- व्यावसायिक पत्र-लेखन
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति

HIND01AECC1

Hindi Vyakaran Aur Sampreshan

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE

हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण

- हिंदी व्याकरण एवं रचना - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं
- अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय, संधि तथा समास, पर्यायवाची शब्द,
- विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य
- शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्य
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन।

HIND02AECC2

हिंदी भाषा और सम्प्रेषण

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एंव व्यंजन।
- स्वर के प्रकार - स्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य ।
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।
- भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
- हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य । वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।
- भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन।
- पत्र लेखन : विविध प्रकार ।

B.A (HONOURS) HINDI

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

1. विज्ञापन: अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग
2. हिंदी भाषा-शिक्षण
3. रचनात्मक लेखन
4. साहित्य और हिंदी सिनेमा
5. अनुवाद: सिद्धांत और प्रविधि
6. पाठालोचन
7. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन
8. कोश विज्ञान एवं पारिभाषिक शब्दावली (उपुर्यक्त में से कोई दो पाठ्यक्रम)

HIND03SEC1D

1. विज्ञापन: अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग

- विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ । विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धान्त।
- हिंदी जनमाध्यमों में विज्ञापन का इतिहास
- विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान-योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बन्धी विश्लेषण, रणनीति, बैंड इमेज। उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की भूमिका।
- विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबन्ध । हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। विज्ञापन कानून और आचार संहिता।
- विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन।अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धान्त और अभिविन्यास (ले आउट)।
- विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ। हिन्दी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।
- विज्ञापन में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्य
- विज्ञापन पर बाजार का प्रभाव

HIND04DEC2B

2.हिंदी भाषा शिक्षण

- भाषा शिक्षण के संदर्भ : राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ

- प्रथम भाषा/मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना

- अन्य भाषा के अंतर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना

- मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर

- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा-शिक्षण

- भाषा शिक्षण की विधियाँ

- भाषा कौशल - श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन।

- भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण; भाषा कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास

- अन्य भाषा-शिक्षण की प्रमुख विधियाँ : व्याकरण-अनुवाद-विधि,

- प्रत्यक्ष विधि, मौखिक वार्तालाप विधि, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण विधि।

- हिंदी शिक्षण

- हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण : स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा,

- दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा।

- द्वितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिंदी शिक्षण

- विदेशी भाषा के रूप में विदेशों में हिंदी शिक्षण

- भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना

- भाषा-परीक्षण के प्रकार

- मूल्यांकन के प्रकार

HIND03SEC1C

3. रचनात्मक लेखन

• रचनात्मक लेखन: स्वरूप एवं सिद्धांत

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ

• जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति

• लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर,

• नाट्य-पाठ्य

• रचनात्मक लेखन : भाषा-संदर्भ

अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग,

नव्य-प्रयोग

भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष

रचनात्मक लेखन : रचना-कौशल-विश्लेषण

रचना-सौष्ठव :शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिब, अलकरण आर वक्रताए

• विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

० कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

० कथासाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श, भाषा और शिल्प

० नाट्यसाहित्य : वस्तु, पान, परिवेश एवं रंगकर्म, संवाद योजना और शिल्प

० विविध गद्य-विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, वस्तु और शिल्प

• बाल साहित्य की आधारभूत संरचना, रूप और अन्तर्वस्तु

• सूचना-तंत्र के लिए लेखन

• प्रिंट माध्यम : फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा

• इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन, स्तम्भ लेखन ।

HIND03SEC1A

4.साहित्य और हिन्दी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने गीत, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन
  और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
- साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, सिनेमा और कहानी, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।
- <u>फिल्म समीक्षा</u> :
  आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास
  1947 से 1970: मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर, गांधी, मुगले आजम, गाइड
  1970 से 1990: गर्म हवा, शोले, आँधी, रजनीगंधा, दीवार, नदिया के पार, पार, एक डॉक्टर की मौत।
  1990 से अद्यतन: तारे ज़मीं पर, थ्री इडियट्स, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस, भाग मिल्खा भाग, मैरी कॉम, पीके, हिन्दी मीडियम,शबनम मौसी। ।

HIND04SEC2A

5.अनुवाद: सिद्धान्त और प्रविधि

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति । अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
- अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद।

  अनुवाद-प्रक्रिया के तीन चरण - विश्लेषण, अंतरण, पुनरीक्षण एवं पुनर्गठन । अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष - पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया) सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं।

- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन
  - i. 'गीतांजलि' का हिन्दी अनुवाद - हंस कुमार तिवारी
  - ii. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद 'विश्वप्रपंच की भूमिका'।
  - iii. अज्ञेय द्वारा रवींद्रनाथ ठाकुर के उपन्यास गोरा का अनुवाद
  - iv. निर्मल वर्मा द्वारा यान ओत्वेनासेक के चेक उपन्यास रोमियो जुलिएट और अंधेरा का अनुवाद

- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालन में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेजों का अनुवाद। शासकीय पत्र/ अर्धशासकीय पत्र/ परिपत्र (सर्कुलर)/ ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश। अधिसूचना/ संकल्प-प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा-संविदा/ विज्ञापन।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।
- पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश

HIND04SEC2D

6. पाठालोचन

- 'पाठ' की अवधारणा : वस्तुनिष्ठता, स्वायत्तता, संरचना, विन्यास, साभिप्राय शब्दावली और अग्रप्रस्तुति का संदर्भ।
- 'पठन' की पद्धति - 'पाठ' की प्राचीन भारतीय पद्धतियाँ, प्रथम पाठ का प्रकार्य : अर्थबोध; द्वितीय पाठ का प्रकार्य: सौन्दर्य बोध।
- 'पाठक' के प्रकार - साहित्यिक पाठक : त्वरा और आवेग ; गैर-साहित्यिक पाठक : साहित्येतर संदर्भो की खोज।
- पाठानुसंधान की समस्याएँ: ग्रंथानुसंधान तथा आधार सामग्री की खोज : संस्थागत सम्पर्क, व्यक्तिगतसम्पर्क, पाण्डुलिपियों का वंशवृक्ष निर्माण, पाठ का तिथि-निर्धारण, पाठांतर का अध्ययन, प्रक्षिप्त पाठ की पहचान।
- पाठनिर्धारण और लिपिविज्ञान, पाठनिर्धारण और छंद योजना, पाठानुसंधान में प्रयुक्त प्रमाणावली, लिप्यंतरण की समस्याएँ, पाठ-सम्पादन, हिन्दी पाठानुसंधान के मानक ग्रंथ।
- पाठालोचन की पद्धतियाँ - पाठ का शैली वैज्ञानिक, संरचनावादी, प्रकार्यमूलक, व्याकरणिक, रूपवैज्ञानिक और सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन।

HIND03SEC1B

7.दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन

- माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरुप और प्रमुख प्रकार। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में भाषा-प्रयोग : लेखन, सम्पादन और प्रसारण का संदर्भ । रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा एवं वीडियो का व्याकरण एवं भाषिक वैशिष्ट्य ।
- भाषा-प्रयोग : परिचय, संगीत, संलाप एवं एकालाप, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कथन, सहप्रयोग। श्रव्य-माध्यम और भाषा की प्रकृति, तान-अनुतान की समस्या, ध्वनि प्रभाव और नि:शब्दता, मानक उच्चारण, समाचार पठन, भाषा का वैयक्तिकरण।
- दृश्य-श्रव्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, आंगिक और वाचिक अभिव्यक्ति, दृश्य भाषा, दृश्य और श्रव्य सामग्री का सामंजस्य तथा भाषिक संयोजन, सिनेमाई भाषा और संवाद की अदायगी।
- रेडियो-लेखन : रेडियो पत्रिका, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार और परिचर्चा, समाचार लेखन, रेडियो नाटक और रूपक के लिए संवाद लेखन, रेडियो विज्ञापन । एफ.एम.बैण्ड पर प्रसारणार्थ शैक्षिक-सामग्री का सृजन।
- टेलीविजन-लेखन : समाचार, धारावाहिक, चर्चा परिचर्चा, साक्षात्कार और सीधे प्रसारण की भाषिक संरचना और प्रस्तुति ।
- सिनेमा : सिनेमा : पटकथा लेखन 'सुजाता', 'शतरंज के खिलाड़ी', पुष्पक, ब्लैक, पिंक जैसी फिल्मों के बहाने हिन्दी सिनेमा की संवेदना और भाषा पर विचार । फिल्म-समीक्षा लेखन।

HIND04SEC2C

8. कोश विज्ञान एवं पारिभाषिक शब्दावली

- कोश : परिभाषा, स्वरूप, महत्व। कोश और व्याकरण । कोश के भेद। कोश-निर्माण

  की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उपप्रविष्टियाँ, संक्षिप्तियाँ, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ।
- प्रविष्टि संरचना
- रूप-अर्थ संबंध,अनेकार्थकता, समानार्थकता, समध्वन्यात्मकता, विलोमता। कोश निर्माण की समस्याएँ।
- हिंदी कोश साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
- कम्प्यूटर और कोश निर्माण।
- वैज्ञानिक और तनकनीकी हिंदी : प्रमुख अभिलक्षण और आधारभूत शब्दावली। "
- पारिभाषिक शब्दावली : संकल्पना, स्वरूप और विशेषताएँ। पारिभाषिक शब्दावली निर्माण: इतिहास, प्रमुख दिशाएँ, मार्गदर्शी सिद्धान्त, समस्याएँ।

B.A. (HONOURS) HINDI

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

1. लोक साहित्य
2. अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
3. प्रवासी साहित्य
4. राष्ट्रीय काव्यधारा
5. छायावाद
6. हिंदी संत काव्य
7. तुलसीदास
8. प्रेमचंद (उपर्युक्त में से कोई चार पाठ्यक्रम)

HIND05DSE1A

1. लोक साहित्य

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंत:संबंध, लोक साहित्य का
- अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ। भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण । लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, बाउलगीत, फगुआ, चैता, विरहा। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि । हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
- लोककथा : व्रतकथा, पशुकथा, परीकथा, अद्भुत कथा, नाग-कथा, कथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास ।
- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावर, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।।

HIND05DSE2A

2. अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

• विमर्शों की सैद्धांतिकी:

• दलित विमर्श: अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

• स्त्री विमर्श: अवधारणा और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)

• आदिवासी विमर्श: अवधारणा और आंदोलन

विमर्शमूलक कथा साहित्य:

• प्रेमचंद - ठाकुर का कुंआ

• ओमप्रकाश वाल्मीकि - सलाम

• सुशीला टाकभौरे- सिलिया

• सुमित्रा कुमारी सिन्हा - व्यक्तित्व की भूख

• नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

• एलिस एक्का-दुर्गी के बच्चे और एल्मा की कल्पनाएं

• विमर्शमूलक कविता:

(क) दलित कविता : हीरा डोम (अछूत की शिकायत), अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे), नगीना सिंह

(कितनी व्यथा), कालीचरण सनेही (दलित विमर्श), माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

(ख) स्त्री कविता: कीर्ति चौधरी- सीमा रेखा, कात्यायनी- सात भाइयों के बीच चम्पा, सविता सिंह - मैं किसकी औरत हूँ, अनामिका-स्त्रियाँ

ग) आदिवासी कविता : निर्मला पुतुल - आदिवासी स्त्रियाँ

•विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1. कृष्णा सोबती - ऐ लड़की 65-119 पेज (तुम मेरे मन की संतान हो... लंबी सांस, थरथराहट और कमरे मे सब शान्त)

2. तुलसीराम: मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ, पृष्ठ संख्या 125 से 135)

3. महादेवी वर्मा: स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न

4. डॉ. धर्मवीर : अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर

HIND06DSE3A

3. प्रवासी साहित्य

<u>उपन्यास</u>

• अभिमन्यु अनत - लाल पसीना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

• सुषम बेदी-लौटना, पराग प्रकाशन, नयी दिल्ली

• नीना पॉल - कुछ गांव गांव कुछ शहर शहर, यश पब्लिकेशन, नई दिल्ली

• दिव्य माथुर - शाम भर बातें, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

<u>कहानियाँ</u>

• तेजेन्द्र शर्मा - कोख का किराया

जकिया जुबेरी - सांकल

जय वर्मा - गुलमोहर

• सुधा ओम ढींगरा- कौन सी जमीन अपनी

• उषा राजे सक्सेना- ऑन्टोप्रेन्योर

• पूर्णिमा बर्मन - यों ही चलते हुए

• अनिल प्रभा कुमार - बेमौसम की बर्फ

HIND05DSE2B

4. राष्ट्रीय काव्यधारा

- <u>मैथिलीशरण गुप्त</u>

  भारत भारती - (निर्धारित अंश); मातृभूमि ; आर्य

- <u>माखनलाल चतुर्वेदी</u>

  अमर राष्ट्र ; मरण ज्वार ; बलिपंथी; सिपाही; आ गए ऋतुराज ; घर मेरा है

- <u>सोहनलाल द्विवेदी</u>

  कोशिश करने वालों की हार नहीं होती; बढ़े चलो, बढ़े चलो ; युगावतार गांधी;

- <u>बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'</u> - विप्लव गायन ; हम अनिकेतन
- <u>रामधारी सिंह 'दिनकर'</u> - कुरुक्षेत्र (निर्धारित अंश)

HIND06DSE3B

5. छायावाद

- जयशंकर प्रसाद - हिमाद्रि तुंग श्रृंग से ; ले चल मुझे भुलावा देकर ; अरी वरुणा की शांत कछार ; तुम ; सागर
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - मैं अकेला; भिक्षुक; जागो फिर एक बार-2 ; राजे ने रखवाली की ; कुकुरमुत्ता
- सुमित्रानंदन पंत - मौन निमंत्रण ; मैं नहीं चाहता चिर सुख ; निर्झर गान ; गा कोकिल बरसा पावक कण
- महादेवी वर्मा - धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ वसंत रजनी; मैं नीर भरी दुख की बदली ; पंथ होने दो अपरिचित ; मधुर मधुर मेरे दीपक जल ; जो तुम आ जाते एक बार ; हिमालय

HIND05DSE1B

6.हिंदी संत काव्य

- नामदेव
- कबीरदास

  मोको कहाँ ढूँढ़े बन्दे ; बालम आवो हमारे गेहरे ; लोका मति का भोरारे ; मेरा तेरा मनुवा कैसे इक होइ रे ; अरे इन दोउन राह न पाई

- रैदास प्रभुजी तुम चंदन हम पानी ; ऐसी मेरीजाति विख्यात चमार ; जनम अमोल अकारथ जात रे ; जिहि कुल साधु बेसनों होई (पद)
  रैदास राति न सोइए ; हरि सा हीरा छाड़ि कै ; रैणि गंवाइ सोइ करि ; तू मोहि देखै हौं तू ही दैखौं (दोहा)

- जंभनाथ
- दादूदयाल
- सुन्दरदास (छोटे)
- पल्टूदास
- गुलाल साहब

HIND06DSE4B

7. तुलसीदास

- रामचरित मानस : अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 67 से 185 तक) गीताप्रेस, गोरखपुर
- कवितावली (उत्तर काण्ड 30 छंद, पद संख्या 29,35,37, 44, 45, 60, 67,73,

  74,84,88,89,102, 103, 108, 119,122,126, 132, 134,136, 140,141, 146,

  153, 155, 161, 165, 182, 229) गीताप्रेस, गोरखपुर।
- गीतावली (बालकाण्ड, 20 पद, पद संख्या 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26,31,33, 36,
  44, 73, 95, 97, 101, 104, 105, 106, 107, 110) गीताप्रेस, गोरखपुर
- विनय पत्रिका - (40 पद, पद संख्या 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72,78,79,85, टाक 89, 90, 94, 100, 101, 102, 103,104, 105, 111,113,114,115, 121, 159,' 160, 164, 165, 166, 167, 182, 201, 269,272) गीताप्रेस, गोरखपुर

HIND06DSE4A

8.प्रेमचंद

- उपन्यास - गोदान
- टा . नाटक- कर्बला
- निबंध - साहित्य का उद्देश्य डलवाया
- कहानियाँ - पूस की रात, कफन, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा।

B.A. (HONOURS) HINDI

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

1. कला और साहित्य

2. संगीत एवं साहित्य

3. पाश्चात्य दाशानक चितन एव हिन्दी साहित्य

4. आधुनिक भारतीय कविता

5. आधुनिक भारतीय साहित्य

6. संपादन प्रक्रिया और साज सज्जा

7. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

8. हिन्दी की सांस्कृतिक पत्रकारिता

(उपर्युक्त में से कोई चार पाठ्यक्रम)

HINHD01GE1B

1. कला और साहित्य

- कला के विविध रूप
- कला और साहित्य का अंतस्संबंध
- कला और समाज का अंतस्संबंध
- कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण
- भारतीय कला का विकास
- भारतीय कला का सौंदर्यशास्त्रीय महत्व
- कला और हिन्दी साहित्य के सम्बंध की परपंरा
- लोक-कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व
- भारतीय नाट्य कला

HIND02GE2B

2. संगीत एवं साहित्य

- साहित्य और संगीत के अंतस्संबंध
- वैदिक संगीत: सामान्य परिचय
- हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत : सामान्य परिचय
- आचार्य भरत और संगीत
- राग और रागनियाँ तथा उनका गायन समय
- मध्यकालीन वाद्य यंत्र
- सूफी साहित्य और संगीत
- संत साहित्य का संगीतात्मक ग्रंथन विधान
- बाउल संगीत
- गुरु ग्रंथ साहिब और संगीत परंपरा
- वैष्णव साहित्य और संगीत
- प्रसाद और निराला के काव्य में संगीतात्मकता
- हिन्दुस्तानी और पश्चिमी संगीत का अन्तसंबंध

HIND03GE3B

3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्त्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- उत्तर आधुनिकतावाद
- जादुई यथार्थवाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब, फैंटेसी
- मिथक एवं प्रतीक

HIND03GE3A

4. आधुनिक भारतीय कविता

असमिया

नवकान्त बरुआ

नीलमणि फूकन

उर्दू

गालिब

कलकत्ते का जो जिक्र किया तूने हम नशीं;आह को चाहिए इक उम्र असर होने तक ; बस कि दुश्वार है, हर काम का आसां होना; दिल-ए-नादां तुझे हुआ क्या है ; रंगों में दौड़ते फिरने के, हम नहीं क़ाइल, हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी।

• फ़िराक़ गोरखपुरी

नजर झुक गयी और क्या चाहिए; हम से क्या हो सका मुहब्बत में ; न कोई वादा न कोई यकीन न कोई उम्मीद; तुम मुखातिब भी करीब भी हो ; इसी खण्डहर में कहीं कुछ दीए हैं टूटे हुए।

तमिल

• सुब्रमण्यम भारती

स्वतंत्रता; हमारी माँ ; कान्नन पटु ; पांचाली शपथम

• वैरमुत्तु

बांग्ला

• रवीन्द्रनाथ ठाकुर

जहाँ चित्त भय शून्य ; सोनार तरी; प्रश्न ; नदी

• काज़ी नजरुल इस्लाम

विद्रोही; नारी; साम्यवादी

संस्कृत . श्रीधर भास्कर वर्णेकर

राधावल्लभ त्रिपाठी

पंजाबी

• अवतार सिंह पाश सबसे खतरनाक होता है सपनों का मर जाना; हम लड़ेंगे साथी

• अमृता प्रीतम

गुजराती

• उमाशंकर जोशी

• संस्कृति रानी देसाई

कश्मीरी

• रहमान राही

• चंद्रकांता

HIND03GE3A

5. आधुनिक भारतीय साहित्य

• स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा इनका भारतीय साहित्य पर प्रभाव

• राष्ट्रीयता और भारतीय साहित्य

• महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ ठाकुर और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

• विश्वयुद्ध का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

• स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

• पाठ्य पुस्तकें (उपन्यास)

शेषेर कविता	:	रवीन्द्रनाथ ठाकुर
मछुआरे	:	तकषि शिवशंकर पिल्लै
संस्कार	:	यू.आर.अनन्त मूर्ति
मढ़ी का दीवा	:	गुरुदयाल सिंह
आवरण	:	भैरप्पा

HIND04GE4B

6. संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा

- सम्पादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, संपादन नीति, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, सम्पादन-कला के सामान्य सिद्धान्त।
- सम्पादक और उपसम्पादक : योग्यता, दायित्व और महत्त्व।

  समाचार मूल्य, लीड, आमुख,शीर्षक-लेखन, तस्वीर-चयन, कैप्शन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और सम्पादन। सम्पादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।
- सम्पादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि । सम्पादकीय का राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव।
- समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका सम्पादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के सम्पादन की विशेषताएँ। । छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का सम्पादन।
- हिन्दी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याएँ।
- साज-सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धान्त। मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी), पत्रिका की साजसज्जा, रंग-संयोजन।

HIND04GE1A

7.सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

- रिपोर्ताज़ : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।
- फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक,
- सांस्कृतिक, साहित्यिक,शैक्षणिक, विज्ञान, पर्यावरण, मनोरंजन, खेलकूद तथा व्यक्ति विशेष से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यूभेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्त्व।
- स्तंभलेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन। .
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक, नाटक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता।

HIND04GE4A

8. हिन्दी की सांस्कृतिक पत्रकारिता

- सांस्कृतिक पत्रकारिता : अवधारणा, अर्थ और महत्व । परम्परागत, आधुनिक और उत्तर आधुनिक समाज । संस्कृति, लोकसंस्कृति, लोकप्रिय संस्कृति, अपसंस्कृति। बाजार, संस्कृति और संचार माध्यम।
- सांस्कृतिक संवाद : अर्थ, भेद और विशेषताएँ। सांस्कृतिक संवाददाता की योग्यताएँ, आस्वादन, अन्वीक्षण, कल्पनाशीलता आदि। सांस्कृतिक संवाद के क्षेत्रों का परिचय
- मंचकला, पर्यटन, पुरातत्व संग्रहालय आदि। • मंचकला और पत्रकारिता : रंगमंच; संगीत-गायन, वादन (ताल वाद्य, तंत्र वाद्य) और नृत्य के कार्यक्रम संवाद लेखन और समीक्षा। चित्रकला (पेंटिंग, ग्राफिक, टेक्सटाइल डिजाइन), शिल्पकला, स्थापत्य कला के कार्यक्रम : संवाद लेखन और समीक्षा।
- पर्यटन पत्रकारिता - प्रमुख धर्मिक स्थलों, स्मारकीय और प्राकृतिक सम्पदाओं का परिचय : संवाद लेखन और समीक्षा। छायाचित्र (फोटाग्राफी) और चित्र पत्रकारिता:
- जनसंचार माध्यम के रूप में छायाचित्र, छायाचित्र लेने की तरीके, उपकरण और प्रयोग की विधि।
- चित्र पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार, चित्र सम्पादन, सचित्र रूपक (फीचर), प्रदर्शनी।
- चलचित्र (छायाछवि/फिल्म) पत्रकारिता: संचार माध्यम के रूप में फिल्म और विडियो, लघुफिल्म, वृत्तचित्र, टी.वी धारावाहिक : परिचय और विकास; फिल्म पृष्ठ का आकल्पन और अभिविन्यास।

Department of Hindi,
Presidency University, Kolkata

PROPOSED SCHEME FOR CHOICE BASED CREDIT SYSTEM IN B.A. HONOURS

SEM	CORE COURSE (CC) (14)	ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)(2)	SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)(2)	ELECTIVE :DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)(4)	ELECTIVE : GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)(4)
I	HIND01C1 हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) Hindi Sahitya Ka Itihas (Ritikal Tak)	HIND01AECC1 हिंदी व्याकरण और संप्रेषण Hindi Vyakaran Aur Sampreshan			HIND01GE1A सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र Sarjnatmak Lekhan Ke Vividh Chhetra
	HIND01C2 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal)				
	Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6	4 Credit			Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6
II	HIND02C3 आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता Adikalin Evam Madhyakalin Hindi Kavita	HIND02AECC2 हिंदी भाषा और संप्रेषण Hindi Bhasha Aur Sampreshan			HIND02GE2A आधुनिक भारतीय कविता Adhunik Bharatiya Kavita
	HIND02C4 आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) Adhunik Hindi Kavita (Chhayavad Tak)				
	Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6	4 Credit			Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6

III.	HIND03C5 छायावादोत्तर हिंदी कविता Chhayavadottar Hindi Kavita HIND03C6 भारतीय काव्यशास्त्र Bhartiya Kavya Shastra HIND03C7 पाश्चात्य काव्यशास्त्र Pashchatya Kavyashastra		HIND03SEC1A साहित्य और हिंदी सिनेमा Sahitya Aur Hindi Cinema		HIND03GE3A आधुनिक भारतीय साहित्य Adhunik Bharatiya Sahitya
	Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6		4 Credit		Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6
IV.	HIND04C8 भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा Bhasha Vigyan Aur Hindi Bhasha HIND04C9 हिदी उपन्यास Hindi Upanyas HIND04C10 हिंदी कहानी Hindi Kahani		HIND04SEC2A अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि\ Anuvad : Siddhant Aur Pravidhi		HIND04GE4B संपादन प्रक्रिया और साज सज्जा Sampadan Prakriya Aur Saj-Sajja
	Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6		4 Credit		Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6
V.	HIND05C11 हिंदी नाटक एवं एकांकी Hindi Natak Evam Ekanki HIND05C12 हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं Hindi Nibandh Evam Anya Gadya Vidhayen			HIND05DSE1A लोक साहित्य Lok Sahitya HIND05DSE2A अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य Asmitamulak Vimarsh Aur Hindi Sahitya	
	Theory : 5Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6			Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6	

VI.	HIND06C13 हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता Hindi Ki Sahityik Patrakarita			HIND06DSE3A प्रवासी साहित्य Pravasi Sahitya	
	HIND06C14 प्रयोजनमूलक हिंदी Prayojanmulak Hindi			HIND06DSE4A प्रेमचंद Premchand	
	Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6			Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6	

Department of Hindi,
Presidency University, Kolkata

REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)

B.A.(HONOURS) HINDI

CORE COURSE (CC)

S. No	Course Code	Paper	Credits	Full Marks
1.	HIND01C1	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	Theory : 5 Credit	80
		Hindi Sahitya Ka Itihas (Ritikal Tak)	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
2.	HIND01C2	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Theory : 5 Credit	80
		Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal)	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
3.	HIND02C3	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	Theory : 5 Credit	80
		Adikalin Evam Madhyakalin Hindi Kavita	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
4.	HIND02C4	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	Theory : 5 Credit	80
		Adhunik Hindi Kavita (Chhayavad Tak)	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
5.	HIND03C5	छायावादोत्तर हिंदी कविता	Theory : 5 Credit	80
		Chhayavadottar Hindi Kavita	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
6.	HIND03C6	भारतीय काव्यशास्त्र	Theory : 5 Credit	80
		Bharatiya Kavyashastra	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
7.	HIND03C7	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Theory : 5 Credit	80
		Pashchatya Kavyashastra	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
8.	HIND04C8	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	Theory : 5 Credit	80
		Bhasha Vigyan Aur Hindi Bhasha	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100

9.	HIND04C9	हिंदी उपन्यास	Theory : 5 Credit	80
		Hindi Upanyas	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
10.	HIND04C10	हिंदी कहानी	Theory : 5 Credit	80
		Hindi Kahani	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
11.	HIND05C11	हिंदी नाटक एवं एकांकी	Theory : 5 Credit	80
		Hindi Natak Evam Ekanki	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
12.	HIND05C12	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं	Theory : 5 Credit	80
		Hindi Nibandh Evam Anya Gadya Vidhayen	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
13.	HIND06C13	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	Theory : 5 Credit	80
		Hindi Ki Sahityik Patrakarita	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
14.	HIND06C14	प्रयोजनमूलक हिंदी	Theory : 5 Credit	80
		Prayojanmulak Hindi	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100

B.A. (PROGRAMME) HINDI

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

S. No	Course Code	Paper	Credits	Full Marks
1.	HIND01AECC1	हिंदी व्याकरण और संप्रेषण Hindi Vyakaran Aur Sampreshan	4 Credit	100 (70+30)
2.	HIND02AECC2	हिंदी भाषा और संप्रेषण Hindi Bhasha Aur Sampreshan	4 Credit	100 (70+30)

B.A. (HONOURS) HINDI

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

S. No	Course Code	Paper	Credit	Full Marks
1.	HIND03SEC1A	साहित्य और हिंदी सिनेमा Sahitya Aur Hindi Cinema	4 Credit	100 (70+30)

2.	HIND03SEC1B	दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन Drishya-Shravya Madhyam Lekhan	4 Credit	100 (70+30)
3.	HIND03SEC1C	रचनात्मक लेखन Rachnatmak Lekhan	4 Credit	100 (70+30)
4.	HIND03SEC1D	विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग Vigyapan : Avadharna, Nirman Evam Prayog	4 Credit	100 (70+30)
5.	HIND04SEC2A	अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि Anuvad : Siddhant Aur Pravidhi	4 Credit	100 (70+30)
6.	HIND04SEC2B	हिंदी भाषा-शिक्षण Hindi Bhasha-Shikchan	4 Credit	100 (70+30)
7.	HIND04SEC2C	कोश विज्ञान एवं पारिभाषिक शब्दावली Kosh Vigyan Evam Paribhashik Shabdawali	4 Credit	100 (70+30)
8.	HIND04SEC2D	पाठालोचन Pathalochan	4 Credit	100 (70+30)

(Note : At the begining of each semester the department will decide the 2 SEC Courses to be offered.)

B.A. (HONOURS) HINDI

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

S. No	Course Code	Paper	Credits	Full Marks
1.	HIND05DSE1A	लोक साहित्य Lok Sahitya	Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6	80 20 100
2.	HIND05DSE1B	हिंदी संत काव्य Hindi Sant Kavya	Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6	80 20 100
3.	HIND05DSE2A	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य Asmitamulak Vimarsh Aur Hindi Sahitya	Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6	80 20 100
4.	HIND05DSE2B	राष्ट्रीय काव्यधारा Rashtriya Kavyadhara	Theory : 5 Credit Tutorial : 1 Credit Total Credit : 6	80 20 100

5.	HIND06DSE3A	प्रवासी साहित्य	Theory : 5 Credit	80
		Pravasi Sahitya	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
6.	HIND06DSE3B	छायावाद	Theory : 5 Credit	80
		Chhayavad	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
7.	HIND06DSE4A	प्रेमचंद	Theory : 5 Credit	80
		Premchand	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
8.	HIND06DSE4B	तुलसीदास	Theory : 5 Credit	80
		Tulsidas	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100

(Note : At the begining of each semester the department will decide the 4 DSEC Courses to be offered.)

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

S. No	Course Code	Paper	Credits	Full Marks
1.	HIND01GE1A	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	Theory : 5 Credit	80
		Sarjnatmak Lekhan Ke Vividh Chhetra	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
2.	HIND01GE1B	कला और साहित्य	Theory : 5 Credit	80
		Kala Aur Sahitya	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
3.	HIND02GE2A	आधुनिक भारतीय कविता	Theory : 5 Credit	80
		Adhunik Bharatiya Kavita	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
4.	HIND02GE2B	संगीत एवं साहित्य	Theory : 5 Credit	80
		Sangeet Aur Sahitya	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
5.	HIND03GE3A	आधुनिक भारतीय साहित्य	Theory : 5 Credit	80
		Adhunik Bharatiya Sahitya	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100

6.	HIND03GE3B	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य	Theory : 5 Credit	80
		Paschatya Darshnik Chintan Evam Hindi Sahitya	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
7.	HIND04GE4A	हिन्दी की सांस्कृतिक पत्रकारिता	Theory : 5 Credit	80
		Hindi Ki Sanskritik Patrakarita	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100
8.	HIND04GE4B	संपादन प्रक्रिया और साज सज्जा	Theory : 5 Credit	80
		Sampadan Prakriya Aur Saj-Sajja	Tutorial : 1 Credit	20
			Total Credit : 6	100

(Note : At the begining of each semester the department will decide the 4 GEC Courses to be offered.)